

जो कौमें अपना इतिहास, अपनी कुर्बानियाँ भूल जाती हैं वो खुद इतिहास बन जाती है। दुर्भाग्य से, हमने भी अपना इतिहास भुला दिया।

सन 1703 में 20 दिसम्बर से 27 दिसम्बर तक, इन्हीं 7 दिनों में गुरु गोबिंद सिंह जी का पूरा परिवार देशहित में बलिदान हो गया था।

इधर हिन्दुस्तान Christmas के जश्न में डूबा एक दूसरे को बधाइयां दे रहा है। जबकि एक ज़माना था जब पंजाब में इस हफ्ते सब लोग ज़मीन पे सोते थे । क्योंकि माता गूजरी ने वो रातें दोनों छोटे साहिबजादों के साथ, नवाब वजीर खां की गिरफ्त में सरहिन्द के किले में ठंडी बुर्ज में गुजारी थी।

ये सप्ताह सिख इतिहास में शोक का सप्ताह होता है पर आज देखते हैं कि पंजाब समेत पूरा हिन्दुस्तान जश्न में डूबा है।

गुरु गोबिंद सिंह जी की कुर्बानियों को हम अहसान फरामोशों के देश ने सिर्फ 300 साल में भुला दिया।

हमारा कर्तव्य है कि आज के हर बच्चे को इस जानकारी से अवगत कराएं । क्रिसमस नहीं.. हिन्द पर कुर्बान सिख शहजादों की याद दिलाएं।